GOVT. COLLEGE SILPHILI

DISTRICT- SURAJPUR (C.G.)

GREEN AUDIT REPORT

SESSION: 2019-20

Scanned with CamScanner

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट 2019–20

दूर दराज ग्रामीण इलाकों से छात्र छात्राएं अपनी आखों में उज्ज्वल भविष्य के सपने लिये महाविद्यालय की दहलीज पर पहचते हैं तो इस महाविद्यालय के अनुभवि प्राध्यापक इनके भविष्य को संवारनें तथा अपने ज्ञान के द्वारा इनके व्यक्तित्व के विकास के लिये दृढ़ संकल्पित हो उठते हैं इस महाविद्यालय के यहां खुलनें से हजारों विद्यार्थियों को उनकी मंजिल मिल रही है तथा उनके सपने साकार हो रहें है। इनके व्यक्तित्व विकास को एक दिशा मिल रही है।

पेड़ पौधों का महत्व हमारे जीवन में पेड़ पौधे प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखते हैं इन्हीं से हमें सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है वातावरण को शुद्ध बनाते हैं जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए हर वर्ष धरती पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए साथ ही साथ उसकी देखभाल करनी चाहिए महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों की देखभाल महाविद्यालय में समय समय पर खाद तथा कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जाता है जिससे कि पौधों में बीमारियों का प्रभाव देखने को नहीं मिलता और पौधे स्वच्छ एवं हरे भरे दिखाई देते हैं इसके लिए महाविद्यालय प्रयासरत है।

महाविद्यालय में पेड़ पौधों का महत्व तथा उपयोगिता –

पेड़ पौधें पर्यावरण के संतुलन को बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। पेड़ पौधें वातावरण की गर्मी, कार्बन डाई ऑक्साइड तथा विभिन्न प्रकार से होने वाले प्रदूषणों को अवशोषित कर वातावरण को शुद्ध बनाये रखते हैं। पेड़ पौधें ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो सभी जीवों के लिए अति आवश्यक है। तथा इनकी हरियाली बादलों को आकर्षित कर वर्षा कराती है।

महाविद्यालय परिसर में लगे प्रत्येक पेड़ पौधों की अपनी अलग ही विशेषता है प्रत्येक पौधें अपनी अलग उपयोगिता रखतें हैं। जैसे पीपल का वृक्ष वातावरण को शुद्ध तथा अधिक ऑक्सीजन के द्वारा मानव जीवन तथा स्वास्थ्य की रक्षा करता है। तो वहीं तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से युक्त होता है गुलाब का पौधा अपने सौंदर्य से वातावरण को सुगधित तथा आनंदित करता है। तो वहीं आम अपनें अमृतरस से मनुष्य को तृप्त कर देता है।

महाविद्यालयीन पेड़ पौधे एवम छात्र जीवन इस भौतिक जगत तथा मशीनी युग में मनुष्य पर्यावरण तथा प्रकृति से दूर होता जा रहा है। मानव अपनी तुच्छ स्वार्थ के लिये पेड़ पौधों को काट रहा है। पेड़ पौधों की इस तरह कटाई के परिणामस्वरूप आने वाले समय में भयंकर संकट से वह अनजान है इस क्षति से बचने के लिये शिक्षा तथा पेड़ पौधों के प्रति लगाव एवम उनके महत्व के विषय में जागरूकता छात्र जीवन में होनी चाहिये तभी इस पर नियंत्रण लगाया जा सकता है।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों की हरियाली छात्रों में ऊर्जा का संचार करती है। पूरे विश्व समुदाय के लिये यह जरूरी हो गया है कि वे आने वाले समय में इस धरती को बचाये रखने के लिये पर्यावरण की रक्षा करें जो कि उच्च शिक्षण संस्थान इस संबंध में बेहतर किरदार अदा कर सकता है।

समुद्री पौधें पृथ्वी को सबसे ज्यादा 70 से 80 प्रतिशत ऑक्सीजन देते हैं पीपल पेड़ धार्मिक महत्व के साथ साथ पर्यावरण को स्वच्छ रखता है एवम एक दिन में 22 घंटे तक ऑक्सीजन देता है। नीम का पेड़ आयुर्वेदिक औषधी के रूप में उपयोग किया जाता है कई बिमारियों का इलाज इसके द्वारा होता है नीम का वृक्ष दिन में 20 घंटे ऑक्सीजन देता है इसी प्रकार बरगद का वृक्ष सदाबहार है यह भी एक दिन में 20 घंटे से ज्यादा ऑक्सीजन देता है। पत्तीयां 1 घंटे में 5 मिलीलीटर ऑक्सीजन बनाती है जिस वृक्ष में सबसे ज्यादा पत्तीयां होती हैं वह वृक्ष उतना ही ज्यादा ऑक्सीजन बनाती है। पर्यावरण स्वच्छ बनाने में योगदान हम दे सकते हैं ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कर। पेड़ सिर्फ पर्यावरण को ही दूषित होने से नहीं बचाते बल्कि हम सभी को ऑक्सीजन देते हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

हमारे महाविद्यालय में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु जैविक कंपोस्ट बनाया गया है जिसमें महाविद्यालय परिसर से एकत्रित अपशिष्ट पदार्थों की प्रकृति अनुसार इन्हे कंपोस्ट गड्ढे में डालकर जैविक खाद का निर्माण किया जाता है तथा जैविक खाद का उपयोग महाविद्यालय परिसर में लगे पेड़ पौधों हेतु उपयोग किया जाता हैं। प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान शासकीय महाविद्यालय सिलफिली के छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से परिचित कराया गया तथा महाविद्यालय में प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान निकाली गई हमारे महाविद्यालय में ठोस एवं तरल अपशिष्ट कचरा प्रबंधन किया जाता है या यूं कहें गीला कचरा एवं सूखा कचरा हेतु दो अलग-अलग गड्ढों का निर्माण किया गया हैं। इसमें एक में सूखा कचरा तथा दूसरे में गीला पौधों से प्राप्त कचरा को डाला जाता है तथा इससे बने खाद का उपयोग महाविद्यालय में किया जाता हैं।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली (छ.ग.) जिला-सूरजपुर

Scanned with CamScanner

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में उपस्थित पेड़–पौधो का विवरण निम्नानुसार है:–

महाविद्यालय में फलदार पौधे

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के फलदार पेड–पौधें है जैसे अमरूद, आम, इमली, हर्रा, डुमर, जामुन, खजूर, बेर, सीताफल, बेल, अनार, केला, ऑवला, महुआ, बरगद आदि है।

महाविद्यालय में औषधिय पौधे

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के औषधिय पेड–पौधे है जैसे तुलसी, पत्थरचट्टा, भूईनीम, एलोवेरा, मदार, नीम, अमरूद, आम, इमली, हर्रा, जामुन, खजूर, बेर, सीताफल, बेल, अनार, केला, आवला, महुआ आदि है।

महाविद्यालय में पुष्पीय पौधे

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के पुष्पीय पौधें है जैसे सदाबहार, गुलाब, गेंदा, गुलहड, सेवंती, कागज फूल, कनेर, लीली, सूरजमुखी आदि है।

महाविद्यालय में अन्य पौधे

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के अन्य पौधें है जैसे शाल, शीशम, डूमर, पलाश, अशोक, यूकेलिपटस, सेमर, खमहार, सीधा, मनि प्लांट, साइकस, आरूकेरिया, स्पाइडर प्लांट।

1. नीम :– आयुर्वेदिक के रूप में प्राचीन काल से नीम के फल, पत्ति, तना एवं जडों का उपयोग किया जाता रहा है। इसमें शुगर, बुखार, पायरिया, पेट के कीड़े, दाद–खाज, खुजली, स्कीन के पींपल, के लिए उपयोग किया जाता है। इसमें एंटी फंगल गुण होता है। आजकल इनसे साबुन, टूथपेस्ट, तेल, क्रीम, सैम्पू भी बनाया जाता है। इसमें विभिन्न प्रकार की औषधीय गुण उपस्थित है। साथ ही वातावरण को शुद्ध कर प्रदुषण रोकता है।
2. तुलसी :– भारत में हिन्दु धर्मावलंबीयों द्वारा तुलसी पुजा की जाति है। इसे घर के ऑगन में लगाया जाता है। तुलसी का पौधा अत्यधिक उपयोगी है इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार के लिए किया जाता है जैसे इसकी पत्तियों का उपयोग सर्दी–खासी, दमफूलना, त्वचा रोग, में किया जाता है। जड़ों का उपयोग बुखार में, सॉप काटने पर विष को समाप्त करने हेतु प्रतिविष के रूप में किया जाता

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

है। बीज का उपयोग सिर दर्द में लाभदायक है। सम्पूर्ण पौधा कोढ़, गठिया के इलाज में उपयोग किया जाता है। इसके तेल के उपयोग से मच्छरों के काटने से बचा जा सकता है।

3. एलोयवेरा :– एलोयवेरा की गुदेदार पत्तियों का उपयोग कब्जीयत समाप्त करने, दर्द एवं सूजन को कम करने, बवासीर एवं मलासय विदरों के इलाज, इसकी पत्तियों के रस का उपयोग तपेदिक, पेट में गोला को दूर करने के लिए किया जाता है। त्वचा पर इसका लेपन करने से चेहरे को कांतिमय बनाता है। बुखार में भी लाभदायक है। इसमें प्रतिजीवाणु गुण पाया जाता है। आजकल इनसे साबुन, क्रीम, सैम्पू भी बनाया जाता है। एलोयवेरा से विभिन्न प्रकार के रोगो को दूर करने के लिए औषधियों का निर्माण किया जाता है।

4. यूकेलिपटस :– इनकी पत्तियों से प्राप्त तेल का सेवन दवा के रूप में बुखार को कम करने, स्फुर्तिदायक, क्रीमीनाशी के रूम में तथा मलेरिया को समाप्त करने हेतु उपयोग किया जाता है। इसमें गॅाठनाशी तथा प्रतिजैविक गुण उपस्थि है। इसके सेवन से दिल की धडकन बढ़ जाती है।

5. बेल :– बेल की पत्तियों का उपयोग पूजा–पाठ में किया जाता है। गर्मियों के दिनों में लू लग जाने पर इसके शरबत का उपयोग करने से राहत मिलता है। पके फलो का गुदा मूत्रवर्द्धक होता है। अधपके फल या उबले अथवा भुने हुए गुदा का उपयोग डायरिया, पेचिस, को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके छाल का उपयोग बुखार को कम करने के लिए किया जाता है।

6. ऑवला :– ऑवला के एक फल में संतरा के एक फल की तुलना में बीस गुना अधिक विटामिन सी होता है। इससे दस्त, पेचिस, खसरा, यकृत के बढ़ जाने पर, बवासीर, नेत्र तथा उदर रोग में बहुत उपयोगी है। ऑवला को हर्रा एवं बहेरा के साथ मिलाकर त्रिफला चूर्ण बनायी जाती है। यह च्यवनप्राश नामक सुप्रसिद्ध आयुर्वेदिक औषधि का घटक है। ऑवले का फल यकृत को शक्ति प्रदान करता है। इनसे साबुन, क्रीम, सैम्पू, तेल, अचार, मुरब्बा, कैन्डी आदि भी बनाया जाता है।

7. **पुदीना :-** इस पौधे की पत्तियों के आसवन द्वारा पोदीनहरा तैयार किया जाता है, जो औषधि के रूप में प्रयुक्त होता है। इसकी पत्तियॉ चटनी बनाने की काम आती हैं, जो कि अपच को समाप्त करती है।

शासकीय महाविद्यालय बिलदगी जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

8. हर्रा :- हमारे महाविद्यालय में हर्रा का एक वृक्ष है। इसके फल एवं बीज खाए जाते हैं। इसके फल को पीसकर मंजन दांतों को चमकदार एवं मसूड़ों को मजबूत बनाता है। सूखे हुए फल का उपयोग रक्तचाप को नियंत्रित करने एवं हृदय की बीमारियों को उपचारित करने हेतु किया जाता है। पलके खुरदुरा चूर्ण का धूम्रपान दमा के इलाज में किया जाता है। आंवला तथा बहेरा के साथ यह आयुर्वेदिक की प्रसिद्ध दवा त्रिफला के एक घटक के रूप में प्रयुक्त होता है। इसके फल का सेवन कब्जियत को दूर करता है। यह अपच अतिसार दस्त को समाप्त करने में उपयोगी है। मुंह के छाले को भी ठीक करता है।

9. कालमेघ:- कालमेघ यह औषधिय गुणों से युक्त पौधा हैं। जड़ को छोड़कर समस्त पादप औषधिय गुण रखते हैं। इस पौधे सत्व का उपयोग फाइलेरिया के उपचार हेतु किया जाता हैं। संपूर्ण भाई विभाग वायवीय भाग दवा के रूप में प्रयुक्त होता हैं। भूख को यह बढ़ाता है, ज्वर, पेचिश तथा पेट दर्द में उपयोगी हैं। इनकी पत्तियों एवं पौधे के रस को आयुर्वेदिक दवाओं में चिरायता के स्थान पर उपयोग में लाया जाता हैं। पत्तियां एवं तना में प्रतिजैविक गुण होता है इसलिए यह टाइफाइड के उपचार में प्रयुक्त होता हैं। यह टॉनिक के रूप में ब्रोंकाइटिस, इनफ्लुएंजा, पुरानी मंदाकिनी के उपचार में उपयोगी हैं।

10. धतूरा:- धतूरे का उपयोग पूजा पाठ में भी किया जाता हैं। विशेषकर फल का उपयोग धतूरे के बीजों का धूम्रपान अस्थमा में लाभकारी होता हैं। सूखी पत्तियों एवं तन का धूम्रपान अकड़न वाले अस्थमा के उपचार में लाभकारी होता हैं। पौधों का उपयोग कुकुर खांसी ब्रोंकाइटिस में किया जाता हैं। पतियों को तेल लगा कर अंगार परसेकर हाइड्रोसील की बीमारी में एवं जलने से उत्पन्न फफोले पर बांधने से लाभ होता हैं। बीजों एवं पत्तियों की पुतली पुतली तैयार करके दर्द वाले ट्यूमर तथा जोड़ों की सूजन पर बांधने से आराम मिलता है इसके बीच का दवा के रूप में पागल कुत्ते के काटने पर कान बहने पर तथा गर्भपात के लिए किया जाता हैं। आयुर्वेद में यह गर्भपात के लिए ज्यादा उपयोग माना जाता हैं।

11. गुड़हल :- यह शोभाकार पौधा हैं। इसके फलों से प्राप्त रंग का उपयोग जूतों की पॉलिश बनाने में किया जाता हैं।

12. गुलमोहर :- गुलमोहर का पौधा हरा भरा और मन को मोहने वाला होता है इसके पुष्प लाल रंग के होते हैं। मनुष्य को ऑक्सीजन की प्राप्ति होती हैं।

13. क्रिसमस ट्री :- यह बहुत ही सुंदर दिखाई देता हैं। इसका उपयोग क्रिसमस डे के दिन किया जाता हैं। यह एक जिम्नोस्पर्म प्लांट हैं।

14. मनी प्लांट :- मनी प्लांट हवा से केमिकल टॉक्सिक को साफ कर शुद्ध हवा छोड़ता हैं। साथ ही साथ जगह भी कम लेता है और इसको ज्यादा देखभाल की आवश्यकता भी नहीं पड़ती हैं। पानी में भी यह आसानी से बढ़ जाता हैं। जहरीली हवा का यह दुश्मन होता हैं। घर के प्रदूषण को दूर कर देने में सहायक हैं। यह प्रदूषण स्तर कम करने का काम करता हैं।

शासकीय महाविद्यालय ... जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

15. स्नेक प्लांट:- मदर इन लॉ टंग प्लांट, इसे सामान्यतः स्नेक प्लांट बेडरूम प्लांट के नाम से जाना जाता हैं। रात में भी यह कार्बन डाइऑक्साइड का को ऑक्सीजन में बदलता हैं। यह

Scanned with CamScanner

आसपास के वातावरण में उपस्थित प्रदूषित गैसों को अवशोषित करता है तथा वातावरण को शुद्ध करने का कार्य करता हैं।

16. स्पाइडर प्लांट:- इसकी बिखरी हुई पत्तियों से इसकी पहचान हम आसानी से कर सकते हैं। यह कैंसर उत्पन्न करने वाले केमिकल से वातावरण को शुद्ध करता हैं। यह हानिकारक केमिकल को अवशोषित करता हैं। साथ ही वातावरण की दुर्गंध को अपने में सोख लेता हैं। अच्छी नींद का वातावरण तैयार करता हैं।

17. लेवेंडर:- लेवेंडर ऑइल वातावरण के साथ.साथ आपके मूड को भी पॉजिटिव बनाता हैं। छोटे बच्चों को इसकी उपस्थिति में नींद अच्छी आती हैं।

18. एरिका पाम:- एरिका पाम हमारे महाविद्यालय में एरिका पाम लगाया गया है ज्यादातर लोग इसे लिविंग रूम प्लांट भी कहा जाता हैं। यह हवा से फॉर्मल डिहाइड्रेट, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड को सोख कर साफ हवा देता हैं। एक आदमी के लिए ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती हैं। इसके लिए कंधे की ऊंचाई तक के 4 पौधे लगाएं। हर रोज इसकी पत्तियां साफ करनी चाहिए उसे 4 महीने में एक बार धूप में रखने की जरूरत होती हैं।

19. महुआ:- हमारे महाविद्यालय में महुआ का वृक्ष हैं। इससे वातावरण शुद्ध बना रहता हैं। इसके फल एवं फूल दोनों का ही उपयोग होता हैं। इसके फल से प्राप्त बीज को डोरी के नाम से जाना जाता है इससे तेल निकाला जाता हैं। इसके तेल का उपयोग रोशनी करने के लिए, भोजन में उपयोगी है, साथ ही साथ त्वचा में लगाने पर वह कोमल रहता हैं। इसके पुष्प का उपयोग शराब निर्माण में किया जाता हैं। आदिवासी अंचल में अधिक मात्रा में यह वृक्ष पाया जाता हैं। इसके फल एवं फूल से आदिवासी अपना जीविका उपार्जन भी करते हैं। यह पौधा जंगलों में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं।

20. नागफनी:- नागफनी यह पौधा महाविद्यालय में उपस्थित हैं। यह कांटेदार होता है और मरूद विद प्रवृत्ति का पौधा हैं।

21. बबूल :-अकेसिया निलॉटिका इसे खेतों की सुरक्षा हेतु बाड़ी लगाने के लिए उगाया जाता है इससे गोंद प्राप्त होता है इसकी लकड़ी फर्नीचर निर्माण में तथा जलावन हेतु प्रयुक्त किया जाता हैं।

22. इमली:- टैमेरिंडस इंडिका इस के फल का अम्लीय गुदा खाद्य सामग्रियां जैसे चटनी, सॉस, करी, अचार बनाने में तथा सब्जियों एवं पेय पदार्थों में खट्टापन हेतु प्रयोग किए जाते हैं इसके कास्ट का उपयोग कृषि उपकरण के निर्माण में किया जाता है यह भी सड़क के किनारे सामुदायिक जगहों पर छाया हेतु लगाया जाता हैं।

23. गुलाब:- रोसा इंडिका हमारे महाविद्यालय में गुलाब लगाया गया हैं। इसके पुष्प से इत्र बनाया जाता हैं इसकी पंखुड़ियों से गुलकंद बनाया जाता हैं। साथ ही साथ पंखुड़ियों से आसवन द्वारा अर्क अर्थात गुलाब जल बनाया जाता है जिसका उपयोग नेत्र रोग के उपचार में किया जाता हैं। गुलाब से गुलाब का तेल प्राप्त होता है जिसका उपयोग परफ्यूम बनाने में किया जाता है साथ ही साथ यह सजावट के लिए और बुके बनाने के लिए उपयोग में लाया जाता हैं।

24. ब्राह्मी:- इसका वानस्पतिक नाम सैंटेला एशियाटिका है इसके पौधे में कीटनाशक गुण होता है यह कोढ़ के इलाज में उपयोगी है इसकी पत्तियों में स्वास्थ्यवर्धक गुण होता है अतः आयुर्वेदिक पद्धति में अनेक रोगों के उपचार के लिए इसे प्रयोग में लाया जाता है यह पागलपन के इलाज हेतु भी

Scanned with CamScanner

उपयोग में लाया जाता है साथ ही साथ आदिवासी समाज के लोग इसकी पत्तियों की सब्जियां बनाकर भी भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं इसकी चटनी भी बनाई जाती हैं। कच्ची पत्तियों का उपयोग गैस्टिक को दूर करने के लिए भी किया जाता हैं। अनेक प्रकार की औषधियों का निर्माण किया जाता है।

25. सीताफल:- हमारे महाविद्यालय में सीताफल के चार वृक्ष है। यह फलदार वृक्ष है। फल का उपयोग किया जाता है।

26. सदाबहार:- सदाबहार का वानस्पतिक नाम विनाका रोजिया है। यह पौधा सुंदरता हेतु लगाया जाता है और इस पौधे से प्राप्त औषधियों का उपयोग मधुमेह व कैंसर के उपचार के लिए किया जाता है हमारे महाविद्यालय में गुलाबी कलर और सफेद कलर के सदाबहार के पौधे है।

27. कनेर:- सामान्यतः कनेर के नाम से जाना जाता है और इसकी विभिन्न प्रजातियां सुंदरता के लिए बगीचे में लगाई जाती है इसकी जड़ों से एक औषधि तैयार की जाती है जिसका उपयोग मानसिक रोगों के उपचार के लिए किया जाता है हमारे महाविद्यालय में पीला कनेर और सफेद कनेर दोनों ही पाए जाते है।

28. धतूरा :-धतूरा एलबा वानस्पतिक नाम है यह एक शाक्य पौधा है और इसके बीज जहरीले तथा अत्यधिक नशीली प्रकृति के होते हैं यह पागलपन, मिर्गी के इलाज तथा गर्भपात हेतु दवा के रूप में उपयोग किया जाता है।

29. मदार:- मदार का वानस्पतिक नाम कैलोट्रोपिस प्रॉसेरा है इसके बीज से प्राप्त रेसे का उपयोग भराई में किया जाता है इसकी कास्ट से गन पाउडर चारकोल प्राप्त होता है इसके लैटेक्स का औषधीय महत्व होता है पौधे के लगभग सभी भाग औषधि के रूप में उपयोग होते हैं जड़ का उपयोग कफ एवं कोढ़ के इलाज में किया जाता है साथ ही साथ प्रयोगशाला में फ्लावर डिस्क्रिप्शन के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

30. सूर्यमुखी:- सूर्यमुखी शोभा की पौधा है। महत्व के लिए के साथ-साथ यह अवश्य रसोई तेल का स्रोत होता है जो कि इसके बीजों से प्राप्त होता है खली का उपयोग खाद के रूप में किया जाता है यह महाविद्यालय गार्डन में उपस्थित है।

31. कदंब:- वृक्ष यह शोभा कार वृक्ष के लिए लगाया जाता है। इसके पुष्प सुंदर सुनहरे रंग के होते हैं फल खाए जाते हैं छाल का उपयोग टॉनिक के रूप में तथा सर्प काटने में प्रयोग किया जाता है पत्तियों का काढ़ा गरारे करने में प्रयोग किया जाता है ब्रज प्रदेश में कदम के वृक्ष को धार्मिक आस्था के कारण लोग विशेष महत्व देते है।

32. आर्किड:- रॉक्स बरगी है वृक्षों के ऊपर ऊपरीरोही होता है जड़ों का उपयोग किया जाता है इसे शोभा कार पौधों के रूप में भी उपयोग किया जाता है।

33. सेमल:- यह तकिया, रजाई, गद्दे, में के लिए इसका उपयोग किया जाता है इसके बीजों का तेल निकालने के लिए किया जाता है और जिसे की रोशनी के लिए उपयोग किया जाता है।

34. साल:- इसका वानस्पतिक नाम सोर्य रॉबस्टा है साल वृक्ष भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कास्ट प्रदाय करते हैं और छत्तीसगढ़ में यह बहुतायत में मिलता है यह छत्तीसगढ़ का राजकीय वृक्ष भी है और

Scanned with CamScanner

इसके बहुत सारे उपयोग है साल का काष्ट सागौन के काष्ट के बाद महत्वपूर्ण काष्ट के रूप में उपयोग किया जाता है यह बहुत ही टिकाऊ और मजबूत होता है और विभिन्न कार्य जैसे कि भवन निर्माण कृषि उपकरण रेल के डिब्बे समुद्री जहाज बिजली के खंभे रेलवे स्लीपर बनाने में इसका उपयोग किया जाता है साथ ही साथ इस के काठ का उपयोग पुल निर्माण, गाड़ी निर्माण, कृषि औजारों कंटेनर निर्माण में भी इसका भरपूर उपयोग किया जाता है साल के पत्ते का उपयोग ग्रामीण द्वारा दोना पत्तल बनाने में किया जाता है।

35. शीशम- यह बहुत ही उपयोगी वृक्ष होता है शीशम के काठ फर्नीचर, कैबिनेट, दरवाजे, खिड़कियां एवं वाद्य यंत्र बनाने के साथ-साथ फ्लोरिंग पैनल वाहनों की बॉडी एवं हैंडल आदि बनाने में उपयोग किया जाता है। इसके काष्ट सजावटी काष्ट भी होते हैं जो कि वर्किंग एवं सजावटी प्लाईवुड एवं वेनियर बनाने में उपयोग होता है इसके काष्ट के पक्ष में उत्तम प्रकार का पेपर तैयार किया जाता है। कृषि यंत्र बनाए जाते हैं लकड़ी ईंधन के रूप में उपयोग की जाती है पौधे के रूप में भी लगाया जाता है और तेल के रूप में काम आती है और फोरकाष्ट से प्राप्त तेल का उपयोग भारी मशीनों में लुब्रिकेंट के रूप में किया जाता है।

36. कालमेघ:- यह एक औषधीय पौधा है और इनकी जड़ों को छोड़कर संपूर्ण पादप औषधीय गुण रखता है पौधे के तत्व का उपयोग फाइलेरिया के उपचार में किया जाता है और संपूर्ण बाय विभाग दवा के रूप में प्रयुक्त होता है यह ग्रुप को बढ़ाने वाला एक पौष्टिक तथा पौष्टिक होता है यह चीज और पेट दर्द आदि की शिकायतों में काफी उपयोगी है इसकी पत्तियों एवं पौधों के रस को आयुर्वेदिक दवाओं में चिरायता के स्थान पर उपयोग में लाया जाता है पत्तियां एवं तने में प्रतिजैविक गुण होता है इसलिए यह टाइफाइड के उपचार में प्रयुक्त होता है यह टॉनिक के रूप में ब्रोंकाइटिस इंफ्रा पुरानी मंदाकिनी के उपचार में काम आता है अलवीरा इसे घृतकुमारी के नाम से जाना जाता है और इसकी मां से पत्तियों का उपयोग किया जाता है इसकी पत्तियों के गूदे का उपयोग कब्जियत को समाप्त करने हेतु किया जाता है पत्तियों का प्रयोग दर्द और सूजन को कम करने हेतु पुलिस बनने के लिए किया जाता है इसकी पत्तियों का रस शीतलता प्रदान करता है त्वचा पर इसके लिए पंक्ति में आता है और बुखार में भी दिया जाता है साथ ही साथ यह कृत्य और नेत्र रोग में फायदा करता है इसके इलाज हेतु उपयोग में लाया जाता है और आमतौर पर प्रमाणित हो चुका है कि माइक्रोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस टीवी के नाम से जानते हैं उसकी वृद्धि को भी यह रोकने का काम करता है पेट में गोला होने पर भी यह लाभ पहुंचाता है यह पौधा बवासीर तथा शहरों के इलाज में भी उपयोग किया जाता है चेहरे की त्वचा की कांति दायक अर्थात की स्किल का काम करती है।

37. सेवंती:- यह उद्यान में शोभा कार पौधे के रूप में लगाया जाता है और पौधे को लगाने ऑफिस के बगीचों में सजाने एवं शांत स्वास्थ्य एवं समूह वातावरण उत्पन्न करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है उस विभिन्न प्रकार के धार्मिक क्रियाकलापों तथा पुष्प गुच्छ तैयार करने में भी इसका प्रयोग किया जाता है फिर बनती के पुष्प का उपयोग उच्च रक्तचाप हाइपरटेंशन फोटो तीसिया वर्टिगो बुखार सर दर्द आदि के उपचार में उपयोग में लाया जाता है इसकी पोस्ट में एंटीबैक्टीरियल एवं उच्च रक्तचाप लोधी गुण होता है चमन के पुष्पों को गर्मी के दिनों में चाय बनाकर दक्षिण चीन के लोग इसका उपयोग करते हैं अगला हम देखेंगे डेहलिया दिल्ली अभी तो भाई कार पुष्प के रूप में गार्डन में लगाया जाता है और दिल्ली को ज्यादातर घरों की चारों ओर लोन ऑफिस और उद्यानों को सजाने और शांति व स्वास्थ्य पर्यावरण तैयार करने के लिए लगाया जाता है इसकी कई प्रजातियां मीठे आलू के समान कंद के लिए भी उपयोग की जाती है जिनको कि भूले हुए से सेंट्रल अमेरिका में को पार्क प्राप्त किया जाता है जिसका उपयोग पदार्थ का स्वाद बढ़ाने में किया जाता है इसके कान से इंसुलिन प्राप्त होता है जिसका उपयोग अटलांटिक या डायबिटिक शर्करा प्राप्त करने के लिए किया जाता है इंसुलिन का उपयोग की सक्रियता का क्लीनिकल परीक्षण करने में भी उपयोग किया जाता है।

Scanned with CamScanner

महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों के प्रकार तथा सूची –

Sr. No.	Plant Name	Botanical Name	Family	Habbit	Uses
1	Tulsi	Ocimum sanctum	Labiatae	Shrub	Medicine
2	Harra	Turminalia chebula	Combretaceae	Tree	Medicine
3	Amla	Emblica officinalis	Euphorbiaceae	Tree	Medicine
4	Neem	Azadirachta indica	Meliaceae	Tree	Medicine
5	Aloe	Aloe vera	Liliaceae	Herb	Medicine
6	Mahua	Madhuca indica	Sepotaceae	Tree	Medicine
7	Khajoor	Phoenix sylvestris	Palmeceae	Tree	Fruit
8	Kela	Musa paradisica	Musaceae	Tree	Fruit
9	Onion	Allium cepa	Liliaceae	Herb	Medicine
10	Garlic	Allium sativum	Liliaceae	Herb	Medicine
11	Satmuli	Asparagus gonodadus	Liliaceae	Herb	Medicine
12	Lily	Lillium bulviferum	Liliaceae	Herb	Flower
13	Makoi	Solanum nigrum	Solanaceae	Herb	Medicine
14	Dhatura	Datura alba	Solanaceae	Herb	Medicine
15	Oak	Calotropis procera	Asclepiadeaceae	Herb	Medicine
16	Sunflower	Helianthus annus	Asteraceae	Herb	Flower
17	Genda	Tagetes erecta	Asteraceae	Herb	Flower
18	Dahlia	Dahlia pinnata	Asteraceae	Herb	Flower
19	Chhota gokhru	Xanthium strumarium		Herb	Medicine
20	Ashok	Saraca indica	Caesalpinioidae	Tree	Timber
21	Amaltas	Cassia fistula	Caesalpinioidae	Tree	Timber
22	Kachnar	Bauhinia variegata	Caesalpinioidae	Tree	Medicine
23	Gulmohar	Delonix regia	Caesalpinioidae	Tree	Flower
24	Mustard	Brassica compestris	Brassicaceae	Herb	Medicine
25	Radish	Raphanus sativus	Brassicaceae	Herb	Veg.
26	Pea	Pisum sativum	Papilionatae	Herb	Veg.
27	Groundnut	Arachis hypogea	Papilionatae	Herb	Oil
28	Gram	Cicer arictinum	Papilionatae	Herb	Veg.
29	Coriander	Coriandrum sativum	Apiaceae	Herb	Spice
30	Brahmi	Centella asiatica	Apiaceae	Herb	Medicine
31	Gajar	Doucus carota	Apiaceae	Herb	Veg.
32	Sounff	Foemticulum vulgara	Apiaceae	Herb	Spice
33	Touch me not	Mimosa pudica	Fabaceae	Herb	Flower
34	Shisham	Dalbergia sissoo	Papilionatae	Tree	Medicine
35	Amrud	Psidium guyava	Myrtaceae	Tree	Medicine
36	Bel	Aegle mormelos	Rutaceae	Tree	Medicine
37	Jamun	Syzyium jambos	Myrtaceae	Tree	Medicine
38	Cactus	Opuntia microdasys	Cactaceae	Herb	Medicine
39	Imli	Tamarindus indicum	Leguminosea	Tree	Fruit
40	Areca Palm	Dypsis lutescens	palmae	Tree	Show Plant
41	Sal	Shorea robusta	Dipterocarpaceae	Tree	timber
42	Eucalyptus	Eucalyptus globulus	Myrtaceae	Tree	Medicine
43	Spider plant	Chlorophytum comosum	Asparagaceae	Herb	Show plant
44	Arjun	Terminalia arjuna	Combretaceae	Tree	Medicine

Scanned with CamScanner

45	Mango	Mangifera indica	anacardiaceae	Tree	Fruit
46	Gudhal	Hibiscus rosa sinensis	Malvaceae	shrub	flower
47	Babool	Acacia nilotica	Mimosaceae	tree	Medicine
48	Pudina	Mentha viridis	Labiatae	herb	Medicine
49	Snake Plant	Dracaena trifasciata	asparagaceae	herb	Show plant
50	Sadabahar	Catharanthus roseus	Apocynaceae	herb	Medicine
51	Datura	Datura alba	Solenaceae	herb	Medicine
52	Turmeric	Curcuma longa	Zingiberaceae	herb	Medicine
53	Zinger	Zingiber officinale	Zingiberaceae	herb	Medicine
54	Kapok(samal)	Ceiba pentandra	Bombacaceae	tree	fiber
55	Orchid	Vanda roxburghii	Orchidaceae	herb	Medicine
56	Lemon grass	Cymbopogon citratus	poaceae	herb	Medicine
57	Broom grass	Thysanolaena moxima	poaceae	herb	
58	Carrot grass	Parthenium hysterophorum	Compositae	herb	Veg.
59	Sweet neem	Muraya koenigii	Rutaceae	shrub	Medicine
60	Ber	zizypu jujuba	Rhamnaceae	tree	fruit
61	Castor	Ricinus communis	Fabaceae	tree	Medicine
62	Cycas	Cycas ciricinales	cycadaceae	tree	Show plant
63	Amaltas	Cassia fistyla	Calsapliniaceae	tree	Medicine
64	Nerium	Thevetia nerifolia	Apocyanaceae	tree	flower
65	Khamhar	Gmelina arborea	Verbenaceae	herb	timber
66	Setafal	Annona squamosa	Annonaceae	tree	fruit
67	Jmumgli jalebi	Pithecellobium dulce	Fabaceae	tree	Medicine
68	Christmas tree	Araucaria hetrophylla	Araucariaceae	tree	Show plant
69	Anar	Punica granatum	Punicaceae	tree	Medicine
70	Peepal	Ficus religiosa	Moraceae	tree	timber
71	Gular	Ficus racemosa	Moraceae	tree	fruit
72	Kalmegh	Andrographis paniculata	Acanthceae	herb	Medicine
73	Banyan	Ficus benghalensis	Moraceae	tree	fruit
74	Bakayan	Melia azedarach	Meliaceae	tree	Medicine
75	Acacia	Acacia Longifolia	Fabacea (Leguminosae)	tree	Medicine
76	Rangoon creeper	Combretum indicums	Combretaceae	herb	Flower
77	Money plant	Epipremnum aureum	Araceae	herb	Show plant
78	Bougainvillea	Bougainvillea glabra	Nyctaginaceae	Shrub	Flower
79	Pathar chatta	Bryophyllum pinnata	Crassulaceae	herb	Medicine
80	Bryophyllum	Kalanchoe mortagei	Crassulaceae	herb	Show plant
81	Bryophyllum	Kalanchoe obtua	Crassulaceae	herb	Medicine
82	Croton	Codiaeum vaiiegatum	Euphorbiaceae	herb	Medicine

Total no. of plant Sp. = 82

Total no. of family = 45

Total no. of tree= 207

Total no. of medicinal plant Sp. = 42

HEAD
U.T.D., Dept.of Env.Sc.
Sarguja University
Ambikapur (C.G.)

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में हुए पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण से संबंधित कार्यक्रम सत्र 2015–2020 तक

सत्र 2015–16

1. हरियर छत्तीसगढ़ वृक्षारोपण कार्यक्रम :– दिनांक 03 अगस्त 2015
2. गाजर घास उन्मूलन पर व्याख्यान :– दिनांक 14 अगस्त 2015

सत्र 2016–17

1. हरियर छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में वृक्षारोपणः–15/09/2016
2. स्वच्छता पखवाड़ा में महाविद्यालय परिसर की सफाई :– 12/11/2016

सत्र 2017–18

1. स्वच्छ भारत इंटर्नशीप/समर इंटर्नशीप 2017–18 नारियल के अनुपयोगी भाग का पौधा रोपन में उपयोग तथा वृक्षारोपणः– दिनांक 09–08–2017

सत्र 2018–19

1. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा ट्री गार्ड का निमार्ण :– 16 जनवरी 2019
2. शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में वृक्षारोपण दिनांकः– 25 जुलाई 2018
3. जनभागीदारी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम दिनांकः– 04 अगस्त 2018

सत्र 2019–20

1. शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में वृक्षारोपणः– दिनांक 09 जुलाई 2019
2. फिट इंडिया मूवमेंट के प्रारंभ का सीधा प्रसारण तथा ध्यानचंद जयंती के अवसर पर पौधारोपणः– दिनांक 29 अगस्त 2019

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला–सूरजपुर, छ.ग.

हरियर छत्तीसगढ़ वृक्षारोपण कार्यक्रम 2015

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नेतृत्व में पूरे राज्य में 3 अगस्त 2015 को सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से एक करोड़ पौधे रोपे जाने का प्रस्ताव किया गया है उक्त कार्यक्रम में प्रत्येक महाविद्यालय को न्यूनतम 500 पौधे रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा राज्य में 3 अगस्त 2015 को प्रातः 9:00 सभी जगह वृक्षारोपण का कार्यक्रम अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में आज प्राचार्य डॉ राम कुमार मिश्र के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्र संघ के द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में फूलदार सौंदर्य वर्धक एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। पर्यावरण के प्रति राज्य शासन की प्रतिबद्धता एवं हरिहर छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के आह्वान पर आयोजित इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

इस कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोगों की सक्रिय।भूमिका रही। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के अध्यापकों में डॉ के आनंद कौशिक डॉ सी एस पटेल शालिनी कुजुर,श्रीमती अंजना एवं कार्यालय स्टॉप में रवि सिंह पहलाद सिदार एवं दिनेश लकड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी श्री अमित सिंह बनाफर ने किया।

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

बुधवार - 05 अगस्त 2015

जन, पौधों की सुरक्षा का लिया गया संकल्प

रोपे गए फलदार पौधे

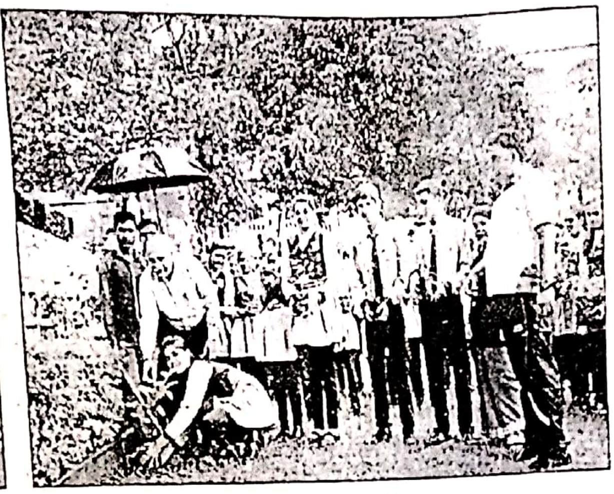

नगर के ओरिएटल पब्लिक स्कूल मे पौधरोपण करते प्राचार्य।

...कुन राम
...सरपंच,
...सहायता
...क अरूण
...श्रीवास्तव,
...न, बोधन
...ष सिन्हा,
...ाड़े, रामू
...प्राथमिक
...जनशिक्षक
...र में एक-

...तत्वाधान
...अंतर्गत
...पौधरोपण
...वार को
...रंगसाय
...टालियन
...म, नपं
...गीदारी
...सेनानी
...यति में
...गोवर्धन
...गों की
...के ही
...इसकी
...मी का
...के वृक्ष
...रते है।
...गोपाल
...अजय
...प्राचार्य
...खलेश

प्रोत्साहित करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला, सीनियर विंग के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

मदनपुर। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में आज प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र के मार्गदर्शन में महाविद्यालय परिसर में फलदार वे छायादार वृक्षों के पौधे लगाए गए। इस दौरान परिसर में फूलदार व सौंदर्यवर्धक पौधों का भी रोपण किया गया। पर्यावरण के प्रति राज्य शासन की प्रतिबद्धता एवं हरियर छत्तीसगढ़ आहवान पर आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय द्वारा 500 पौधे लगाने का लक्ष्य उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. के आनंद कौशिक, डॉ सीएस पटेल, अमित बनाफर, सालिनी कुजूर, अंजना, रवि सिंह, प्रहलाद सिदार, दिनेश लकड़ा आदि उपस्थित थे।

सीतापुर। हरियर छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के तहत ग्राम सरगा में पौधरोपण कर वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी उपस्थितजन द्वारा पौधरोपण के बाद उसके सुरक्षा का संकल्प लिया गया। शासन के निर्देशानुसार सोमवार को वन विभाग के तत्वाधान में ग्राम सरगा में विद्यालय परिसर में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें एक छात्र एक पौधरोपण के तहत स्कूल परिसर के अंदर फलदार एवं अन्य किस्म के 52 पौधे रोपित किए गए। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि रमेश गुप्ता ने कहा कि हरियाली तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्दरई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सघन पौधरोपण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिपं सदस्य नरसिंह, नारायण सिंह विशिष्ट अतिथि सरपंच उमाशंकर सिंह व कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य श्रीमति कलिस्ता अम्खड़ थे। इस दौरान विभिन्न प्रकार के 250 पौधे रोपित किए गए। मुख्य अतिथि नरसिंह नारायण सिंह ने कहा कि एक वृक्ष से हमें परोपकार, धैर्य व सतत विकास की प्रेरणा मिलती है। लगातार वृक्षों की कटाई से हमें कई प्रकार की समस्याओं से जुझना पड़ रहा है। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार सिंह, सचिव रामकुमार राजवाड़े, शिक्षक एसपी मिंज, एसएस एक्का, गणेश ठाकुर, जितेन्द्र, धनी टोप्पो, अरूण द्विवेदी, प्रहलाद खरे व समस्त स्कूल के स्टाफ व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दतिमामोड़। हरियर छत्तीसगढ़ अंतर्गत पंचायत स्तर पर वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम आहुत किया गया। क्षेत्र के ग्राम दतिमा सहित खरसुरा, कुम्दाबस्ती, झूमरपारा, करंजी पुलिस चौकी व सभी स्कूलों में पौधरोपण कर उसके सुरक्षा का संकल्प लिया गया। हायर सेकेण्डरी स्कूल करंजी में वृहद रूप से पौधरोपित कर प्राचार्य एसके द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे अपने-अपने घरों में भी वृक्षारोपण कर उसे अपने जीवन से ज्यादा महत्व देकर उसकी सुरक्षा करें। पुलिस चौकी करंजी में भी चौकी प्रभारी राजेश प्रताप

जनपद अध्यक्ष श्रीमति ममता सिंह, नपं अध्यक्ष अमित खाखा, कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव, अर्जुन यादव, वन विभाग के एसडीओ आरबी पटेल, रेंजर जय प्रकाश पाण्डेय, अवधेश दुबे, बीएमओ डॉ. गोविन्द सिंह, हाईस्कूल प्राचार्य अजय सिंह, गोपीशरण कुशवाहा, नपं उपाध्यक्ष रामजनक कुशवाहा सहित स्कूली बच्चे व कर्मचारी मौजूद थे।

भटगांव। हरियर छत्तीसगढ़ योजना अन्तर्गत कलेक्टर जीआर चुरेन्द्र, जिपं सीईओ विवेकानंद झा व जिपं उपाध्यक्ष गिरिश गुप्ता ने डीएव्ही स्कूल जरही में पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कलेक्टर जीआर चुरेन्द्र ने कहा कि सभी लोगों को जल, जंगल का संरक्षण करना चाहिए। पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने व अपने जीवन को सुरक्षित बनाए जाने हेतु पौधरोपण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इसके फलस्वरूप आज जिलेभर में 42 लाख पौधे रोपित किए गए है। इस दौरान एसईसीएल क्षेत्र के जीएम आपरेशन वीपी सिंह, जिपं सीईओ श्री झा, उपाध्यक्ष श्री गुप्ता अन्य अतिथियों द्वारा पौधरोपण कर इससे होने वाले फायदे के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी उपलब्ध कराया। साथ ही बनारस मुख्य मार्ग किनारे जरही में मशान नाला के पास सड़क किनारे दोनों और सहायक रेंजर ओपी पाण्डेय, व नपं जरही अध्यक्ष लालमेन राजवाड़े के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। इस दौरान विजय तिवारी, मंडल अध्यक्ष श्रीमति शशि सिंह; उपाध्यक्ष राकेश शुक्ला, एसडीएम एनएस रघुवंशी, एके वर्मा, प्रदीप नौटियाल, इन्द्रावती पैंकरा, नपं सीएमओ एमपी सिंह, पूरन राजवाड़े, इन्द्रकुंवर राजवाड़े व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

बिश्रामपुर। हरियर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत कलेक्टर जीआर चुरेन्द्र, सीईओ जिपं विवेकानंद झा, उपाध्यक्ष जिपं गिरीश गुप्ता के आतिथ्य में नगर पंचायत परिसर व डीएव्ही विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान अतिथियों में पौधे लगाए व पर्यावरण संतुलन के लिए इसे आवश्यक बताया। डीएव्ही विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भी पौधरोपण किया गया व इसके सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। यहां दो सौ से

2. जिला समन्वयक, रासेयो, जिला-सूरजपुर

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय सिलफिली, जिला-सूरजपुर (छ

क्र. 30 /रासेयो./2015 सिलफिली दिनांक 31/7/2015

प्रति,

अध्यक्ष जनभागीदारी समिति
शा० महा० सिलफिली /
सरपंच ग्राम पंचायत सिलफिली/मदनपुर/पर्वतनगर/पटकुंआ

विषय :- "हरियर छत्तीसगढ़ वृक्षारोपण कार्यक्रम 2015 के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण बाबत् ।

विषयान्तर्गत लेख है "हरियर छत्तीसगढ़ वृक्षारोपण कार्यक्रम 2015 के तत्वाधान में 03 अगस्त 2015 को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जाना है।

अतः आप सभी से आग्रह है कि उक्त राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

कार्यक्रम स्थान :- "महाविद्यालय परिसर"
दिनांक - 03 अगस्त 2015
समय - प्रात: 09 बजे से

कार्यक्रम अधिकारी

Principal
Govt. College Silphili
Distt. Surajpur (C.G.)

पृ०क्र. 31 /रासेयो /2015 सिलफिली दिनांक

प्रतिलिपि :-
1. समन्वयक रासेयो सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर
2. जिला समन्वयक रासेयो, जिला-सूरजपुर

Principal
Govt. College Silphili
Distt. Surajpur (C.G.)

कार्यालय – प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली, सूरजपुर (छ.ग.)

क्र/ 29 / रा.से.यो./ सिलफिली/दिनांक- 31/07/15

प्रति,

महाप्रबंधक

सरगुजा रेल कॉरीडोर

प्राइवेट लिमिटेड, सूरजपुर

विषय:- "ट्री–गार्ड" प्रदाय करने बावत।

संदर्भ:- छ.ग. शासन/उ.शि.वि./क्र.- 912/उ.शि./रा.से.यो.- 306/2015

विषयांतर्गत लेख है कि "हरियर छ.ग. वृक्षारोपण कार्यक्रम 2015 के परिपालन में एवं माननीय मुख्यमंत्री छ.ग. शासन के नेतृत्व में "03 अगस्त 2015" को महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जाना है। महाविद्यालय परिसर में बाउण्ड्रीवॉल न होने के कारण पौधों की सुरक्षा हेतु "ट्री गार्ड" का अभाव है। कुल 500 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित है।

अतः आपसे आग्रह है कि उक्त राज्य स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय को "ट्री गार्ड" (50 नग) प्रदान करने का कष्ट करें।

कार्यक्रम अधिकारी

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Principal
Govt. College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili @gmail.com

गाजर घास उन्मूलन पर व्याख्यान---

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के नियमित गतिविधि के अंतर्गत आज दिनांक 14 अगस्त 2015 को गाजर घास उन्मूलन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया ।उक्त इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अमित सिंह बनाफर सहायक प्राध्यापक प्राणी शास्त्र थे। मुख्य वक्ता ने छात्रों को गाजर घास के बारे में बताते हुए कहा कि यह पौधा हमारे आसपास बरसात के दिनों में सामान्य रूप से मिलता है यह पौधा 1 वर्षीय होता है जोकि हमारे लिए उपयोगी नहीं है परंतु इसके फूल आने पर यह हमारे लिए अधिक नुकसानदायक होता है । इस पौधे के फूल छोटे एवं सफेद रंग के होते हैं जो परिपक्व होने पर वायु के द्वारा फैलाया जाता हैं और इसी माध्यम से हमारे स्वसन स्तंत्र में आकर स्वास एवं दमा जैसी बीमारी उत्पन्न करते हैं इसलिए इस पौधे को फूल आने से पहले नष्ट कर देना सबसे अच्छा समय रहता है। इस पौधे को जैविक रूप से नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिकों के द्वारा दो कीटों का चयन किया गया है जिसका नाम है जाइकोगामा यह किट पौधे के पत्तियों को बहुत तेजी से खा जाता है जिससे पौधे की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा सरिता किंडो ने गाजर घास के जीवनकाल एवं उस पर नियंत्रण करने के तरीकों के बारे में प्रकाश डाला उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण एवं छात्र उपस्थित रहे।

16.8.2015

गाजर घास उन्मूलन पर व्याख्यान

सिलफिली| शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में रासेयो इकाई द्वारा गाजर घास का जैविक उन्मूलन पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बीएससी अंतिम की छात्रा सरिता किंडो ने गाजर घास का परिचय दिया। मुख्य वक्ता कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी अमित सिंह ने गाजर घास पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापक एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय सिलफिली, जिला सूरजपुर, छ ग

राष्ट्रीय सेवा योजना

क्रमांक १८/रासेयो/2016 सिलफिली, दिनांक 16/9/2016

प्रति,

राज्य संपर्क अधिकारी, पदेन उप सचिव
राष्ट्रीय सेवा योजना
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग

विषयः—हरियर छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में वृक्षारोपण की जानकारी।
संदर्भः— आपका पत्र क्रमांक—37/उच्च शिक्षा रासेयो/2016,नया रायपुर दिनांक—01/7/2016

संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि सत्र 2016—17 में शासकीय महाविद्यालय सिलफिली के रासेयो इकाई एवं महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्र—छात्राओं द्वारा 15/9/2016 तक की गई वृक्षारोपण की जानकारी निर्धारित प्रारूप में आपकी ओर सादर संप्रेषित है:—

संस्था का नाम	वृक्षारोपण करने वाली इकाई	पौधा रोपण की संख्या	पौधारोपण हेतु स्थल	किस एजेंसी के सहयोग से कार्य किया गया	सुरक्षित रखने हेतु किए गए उपाय
शा. महाविद्यालय सिलफिली,सूरजपुर	1.एन सी सी	इकाई नहीं			
शा. महाविद्यालय सिलफिली,सूरजपुर	2.एन एस एस	300 पौधे	महाविद्यालय परिसर एवं गोद ग्राम	वन मंडल सूरजपुर, जिला सूरजपुर	ट्री गार्ड हेतु अदानी ग्रुप से पत्राचार एवं व्यक्तिगत संपर्क
शा. महाविद्यालय सिलफिली,सूरजपुर	3.अन्य स्टाफ व छात्र छात्राओं द्वारा	150 पौधे	महाविद्यालय परिसर		
	कुल संख्या	450 पौधे			

Programme officer N.S.S.
कार्यक्रम अधिकारी Govt. College Silphili.
Dist. Surajpur (C.G.)

Principal
प्राचार्य
Govt. College Silphili
Distt. Surajpur (C.G.)

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

हरियर छ.ग. वृक्षारोपण कार्यक्रम सत्र 2016-17

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यालय :- प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

क्र./ 01 / रा.से.यो./

सिलफिली / दिनांक 12/7/16

प्रति,

वन मण्डलाधिकारी

वन मण्डल परिक्षेत्र, जिला सूरजपुर

विषय:- "हरियर छ.ग.-वृक्षारोपण कार्यक्रम" के अंतर्गत महाविद्यालय को पौधा प्रदान करने एवं "फेंसिंग" करने बावत्

संदर्भ:- छ.ग. शासन / उ.शि.वि मंत्रालय का पत्र क्रमांक- 137/उ.शि./वि/20

विषयांतर्गत लेख है कि दिनांक 10.06.2016 को माननीय मुख्य मंत्री छ.ग. शासन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उ. शिक्षा विभाग को 2016-17 में एक लाख वृक्षारोपण जिसमें प्रत्येक महाविद्यालय को न्यूनतम 500 पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

संदर्भित पत्र के निर्देशानुसार इस महाविद्यालय में बाउण्ड्रीवाल नहीं है, अतः पौधों की सुरक्षा हेतु कैम्पाफ से फेंसिंग करवाने एवं उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु महाविद्यालय को 500 पौधे प्रदान करने का कष्ट करें।

संलग्न प्रपत्र:- संदर्भित पत्र की छाया प्रति।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय
सिलफिली, सूरजपुर (छ.ग.)

पृ.क्र./ 02 / रा.से.यो./ सिलफिली/

प्रतिलिपि:-

1/ अनुविभागीय अधिकारी, वन विभाग, सूरजपुर

कार्यक्रम अधिकारी

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय
सिलफिली, सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
::मंत्रालय::
महानदी भवन, नया रायपुर
--00--

क्रमांक 137 / उ.शि / रा.से.यो. / 2016 नया रायपुर, दिनांक 01 / 07 / 2016

प्रति,

1. कुलसचिव,
समस्त विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़

2. प्राचार्य,
समस्त महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़ ।

विषय :- "हरियर छत्तीसगढ़ " के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वृक्षारोपण।

--00--

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्षता में दिनांक 10.06.2016 को आयोजित बैठक में उच्च शिक्षा विभाग को वर्ष 2016–17 हेतु एक लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ।

इस परिप्रेक्ष्य मे प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय को न्यूनतम 500 पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है । जिन संस्थाओं में बाउन्ड्रीवाल नहीं है वहाँ वन विभाग से सम्पर्क कर उपलब्ध कैम्पाफण्ड से वायर फेंसिंग करवाकर पौधारोपण किया जा सकता है । शासकीय विभाग / औद्योगिक प्रतिष्ठानों व जनप्रतिनिधियों से भी सम्पर्क कर उपलब्ध स्थल पर छात्र–छात्राओं एवं स्टाफ द्वारा पौधरोपण का कार्य किया जा सकता है ।

15 सितम्बर तक निम्न प्रारूप मे जानकारी उच्च शिक्षा संचालनालय को या इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से प्रेषित करे ।

संस्था का नाम	वृक्षारोपण करने वाली इकाई	पौधरोपण की संख्या	पौधरोपण हेतु स्थल	किस एजेन्सी के सहयोग से कार्य किया गया	सुरक्षित रखने हेतु किये गये उपाय
	अ) एन.सी.सी.				
	ब) एन.एस.एस				
	स) अन्य छात्र छात्राओं व स्टाफ द्वारा				
	कुल				

(डॉ. समरेन्द्र सिंह)
राज्य संपर्क अधिकारी व
पदेन उपसचिव
राष्ट्रीय सेवा योजना
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग

क्रमांक 138 / उ.शि / रा.से.यो. / 2016 नया रायपुर, दिनांक 01 / 07 / 2016

प्रतिलिपि –

1 स्टॉफ आफिसर, प्रमुख सचिव, वन विभाग, मंत्रालय नया रायपुर को सूचनार्थ ।
2 आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नया रायपुर को सूचनार्थ।
3. प्राचार्य, अग्रणी महाविद्यालय संबंधित जिला को, जिले की संस्थाओं में क्रियान्वयन एवं समन्वित करने हेतु ।

राज्य संपर्क अधिकारी व
पदेन उपसचिव
राष्ट्रीय सेवा योजना
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग

शासकीय महाविद्यालय ... जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

...New Letter\NSS Letter.doc

Scanned with CamScanner

स्वच्छता पखवाड़ा में - महाविद्यालय परिसर की सफाई करते हुए प्राचार्य महोदय एवं छात्र

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

स्वच्छता पखवाड़ा - महाविद्यालय परिसर की सफाई
दिनांक - 12.11.2016

Scanned with CamScanner

स्वच्छ भारत समर इंटर्नशीप 1-8-17

महाविद्यालय सिलफिली
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यक्रम:- "स्वच्छ भारत इंटर्नशीप / समर इंटर्नशीप 2017-2018"

विवरण:- नारियल के "डब" के अनुपयोगी भाग का पौधा रोपने में उपयोग करते हुए।

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग.email-govt.collegesilphili@gmail.com

दिनांक 19 जनवरी 2019

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा ट्री गार्ड का निर्माण

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली परिसर में दिनांक 19 जनवरी 2019 को महाविद्यालय परिसर के पौधों के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों की सहायता से आठ ट्री गार्ड का निर्माण किया। परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु कुछ फूलदार तथा फलदार पौधों का भी रोपण किया गया था जिसकी देखरेख आवश्यक थी। उक्त कार्य की देखरेख तथा सहयोग राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यकम अधिकारी श्री अमित सिंह बनाफर तथा अन्य प्राध्यापकों ने किया।

उक्त आयोजन में महाविद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी, तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

ट्री गार्ड का निर्माण करते रासेयो के महाविद्यालय की इकाई के विद्यार्थी

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली * जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili@gmail.com

दिनांक 25 जुलाई 2018

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में वृक्षारोपण

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में दिनांक 25 जुलाई 2018 का हरियर छत्तीसगढ़ के अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं तथा महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। हरियर छत्तीसगढ़ के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यकम में महाविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु हेज लगाया गया। इसके अतिरिक्त कुछ फूलदार तथा फलदार पौधों का भी रोपण किया गया।

उक्त आयोजन में महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी, तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हेज लगाते महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग.email-govt.collegesilphili@gmail.com

दिनांक 04 अगस्त 2018

जनभागीदारीसदस्यों द्वारा वृक्षारोपण

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में दिनांक 04 अगस्त 2018 को महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति की बैठक रखी गई जिसमें विभिन्न मुददों पर चर्चा के पश्चात् जनभागीदारी सदस्य,महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं तथा महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यकम में महाविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु कुछ फूलदार तथा फलदार पौधों का भी रोपण किया गया।

उक्त आयोजन में जनभागीदारी अध्यक्ष, सदस्य, महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी, तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण करते जनभागीदारी अध्यक्ष श्री के के अग्रवाल तथा सदस्य

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

वृक्षारोपण करते प्राचार्य तथा जनभागीदारी सदस्य

वृक्षारोपण करते प्राध्यापक तथा विद्यार्थी

प्राचार्य

शासकीय महाविद्यालय ... जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili@gmail.com

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में वृक्षारोपण

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में दिनांक 09 जुलाई 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें रासेयो के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में पौधों का रोपण किया जिसमें रासेयो के विद्यार्थियों के अतिरिक्त महाविद्यालय के अधिकारियों–कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण किया।

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili@gmail.com

फिट इंडिया मूवमेंट के प्रारंभ का सीधा प्रसारण तथा ध्यानचंद जयंती के अवसर पर पौधारोपण

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 29 अगस्त 2019 को महाविद्यालय में देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ का सीधा प्रसारण पोजेक्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को दिखाया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यायाम, नृत्य तथा पारंपरिक खेलों के माध्यम से व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनने का संदेश दिया गया। प्रधानमंत्री के विभिन्न प्रकार के पारंपरिक खेलों से विद्यार्थियों के जुड़ाव बढ़ाने के संदेश से विद्यार्थी बहुत प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात् महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को योग तथा व्यायाम के द्वारा स्वस्थ रहने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि सिर्फ 21 जून को अंतर्राष्टीय योग दिवस के अवसर पर वर्ष में एक दिन योग करने से हम स्वस्थ नहीं रहेंगे। योग हमारी संस्कृति है। योग से हमारी शारीरिक रोग तो दूर होते ही है, हमारा मन भी प्रसन्न रहता है तथा सभी तरह के मानसिक विकार दूर होते हैं। योग किया के द्वारा हमारे प्राचीन ऋषि मुनि सैकड़ों वर्षों का स्वस्थ जीवन जीते थे इसलिए हमें प्रतिदिन योग तथा व्यायाम करना चाहिए।

राष्टीय खेल दिवस तथा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर महाविद्यालय की राष्टीय सेवा योजना की इकाई द्वारा पौधारोपण का कार्यकम रखा गया जिसमें विद्यार्थियों ने करंज अशोक, नीम, आम, अर्जुन तथा अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया गया। रासेयो इकाई के प्रभारी श्री अमित सिंह बनाफर द्वारा इस अवसर पर रेड रिबन क्लब का गठन किया गया जिसमें 10 स्वयंसेवकों ने अपना पंजीयन कराया।

उक्त सभी कार्यकमों में महाविद्यालय सहायक प्राध्यापक श्री बी के त्रिपाठी, डॉ प्रेमलता एक्का, श्री अमित सिंह बनाफर, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री अजय कुमार तिवारी, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी, श्री बीरेंद्र सिन्हा, श्री अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता के साथ साथ अन्य कार्यालयीन कर्मचारी तथा महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यकम अधिकारी

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

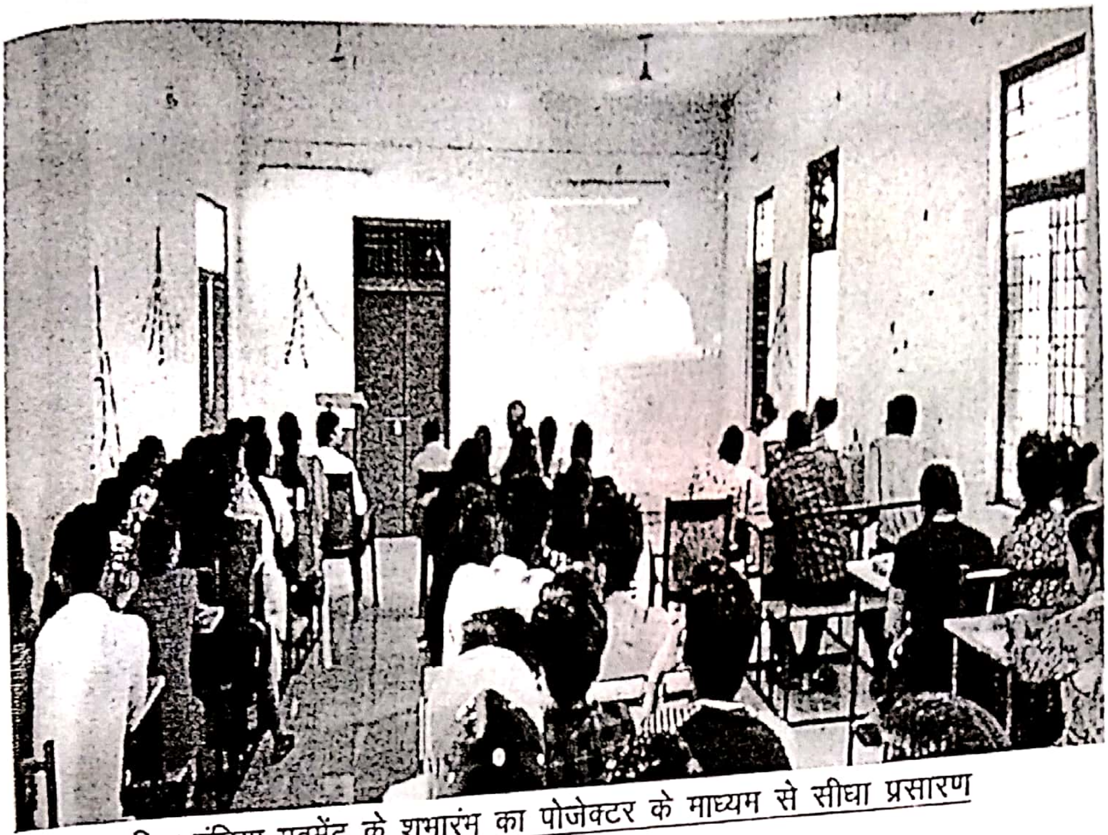

फिट इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ का पोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण

फिट इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ का पोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण

शासकीय महाविद्यालय ... जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

ध्यानचंद जयंती के अवसर पर पौधारोपण

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अम्बिकावाणी
www.ambikavani.com

30 अगस्त को

कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों से समस्त दस्तावेज एवं फीस की राशि सहित 30 अगस्त 2019 को दोपहर 2 बजे तक उपस्थित होने का आग्रह किया है।

फिट इंडिया मूवमेंट के प्रारंभ का सीधा प्रसारण तथा ध्यानचंद जयंती के अवसर पर पौधारोपण

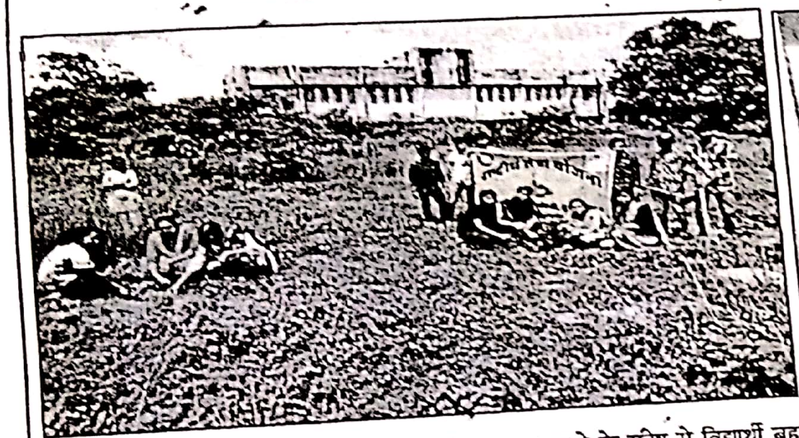

अम्बिकापुर (अंस)। शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 29 अगस्त 2019 को महाविद्यालय में देष के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के प्रारंभ का सीधा प्रसारण पोजेक्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को दिखाया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के व्यायाम, नृत्य तथा पारंपरिक खेलों के माध्यम से व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ बनने का संदेष दिया गया। प्रधानमंत्री के विभिन्न प्रकार के पारंपरिक खेलों से विद्यार्थियों के जुड़ाव बढ़ाने के संदेष से विद्यार्थी बहुत प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को योग तथा व्यायाम के द्वारा स्वस्थ रहने के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि सिर्फ 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वर्ष में एक दिन योग करने से हम स्वस्थ नहीं रहेंगे। योग हमारी संस्कृति है। योग से हमारी शारीरिक रोग तो दूर होते ही है, हमारा मन भी प्रसन्न रहता है तथा सभी तरह के मानसिक विकार दूर होते हैं। योग क्रिया के द्वारा हमारे प्राचीन ऋषि मुनि सैकड़ों वर्षों का स्वस्थ जीवन जीते थे इसलिए हमें प्रतिदिन योग तथा व्यायाम करना चाहिए।

राष्ट्रीय खेल दिवस तथा हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें विद्यार्थियों ने करंज अशोक, नीम, आम, अर्जुन तथा अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया गया। रासेयो इकाई के प्रभारी अमित सिंह बनाफर द्वारा इस अवसर पर रेड रिबन क्लब का गठन किया गया जिसमें 10 स्वयंसेवकों ने अपना पंजीयन कराया। उक्त सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय सहायक प्राध्यापक बी के त्रिपाठी, डॉ प्रेमलता एक्का, अमित सिंह बनाफर, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, अजय कुमार तिवारी, भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, संदीप सोनी, बीरेंद्र सिन्हा, अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता के साथ साथ अन्य कार्यालयीन कर्मचारी तथा महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सरगुजा यूनिवर्सिटी में केंद्रीय मंत्री रेणुका का प्रतिनिधित्व करेंगे रोचक गुप्ता

अंबिकापुर (अंस)। भाजपा युवा मोर्चा सरगुजा के मंत्री व युवा नेता रोचक गुप्ता को केंद्रीय मंत्री व सरगुजा सांसद रेणुका सिंह ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय "सरगुजा यूनिवर्सिटी" के लिए अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है, उक्त नियुक्ति को लेकर के सरगुजा के युवाओं और युवा मोर्चा के जिले भर के कार्यकर्ताओं में हर्ष का वातावरण है। उक्त नियुक्ति के पश्चात सरगुजा विश्वविद्यालय में होने वाली समस्त बैठकों में सांसद की अनुपस्थिति में रोचक गुप्ता प्रतिनिधित्व करेंगे। रोचक गुप्ता ने कहा कि छात्र हित को लेकर माननीय केंद्रीय मंत्री सदैव गंभीर रही हैं, और मैं भी छात्रहित के लिए हर स्तर में कार्य करने के लिए सदैव उपलब्ध रहने की कोशिश करूंगा, और मेरे लिए सबसे हर्ष का विषय है कि मैंने अपनी उच्च शिक्षा बी.कॉम और एम.ए भी इसी विश्वविद्यालय से किया है।

Scanned with CamScanner

सद्भावना दिवस पर वृक्षारोपण के लिए गड्ढा खोदते प्राचार्य श्री वी के त्रिपाठी

वृक्षारोपण करते विद्यार्थी

HEAD
U.T.D., Dept.of Env.
Sarguja University
Ambikapur (C.G.)

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner